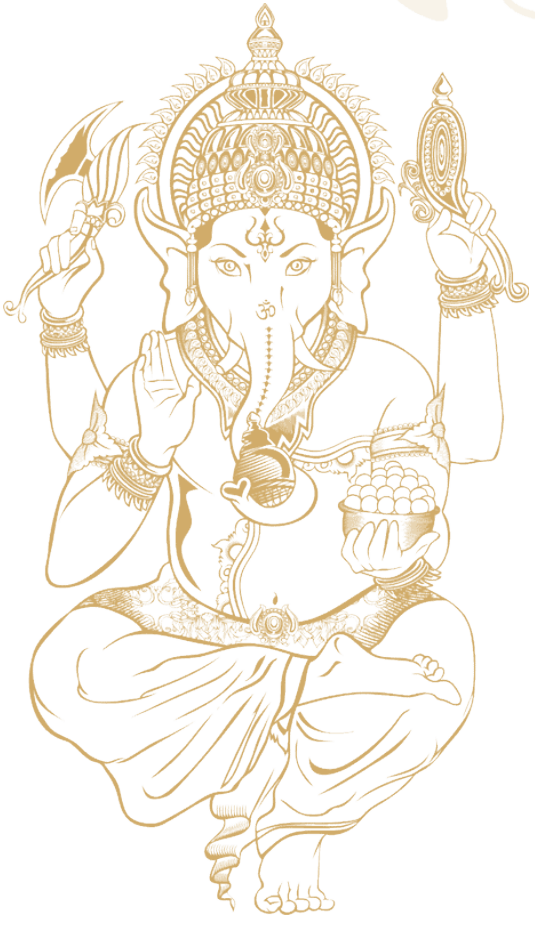

Sunil Kumar garg

06 Jan 1971

10:30 AM

Hissar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121131202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/01/1971**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**10:30:00 घंटे**
इष्ट	07:49:42 घटी
स्थान	**Hissar**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:10:00 उत्तर
रेखांश	75:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:03:00 घंटे
वेलान्तर	-00:05:35 घंटे
साम्पातिक काल	17:03:30 घंटे
सूर्योदय	07:22:07 घंटे
सूर्यास्त	17:43:12 घंटे
दिनमान	10:21:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:46:05 धनु
लग्न के अंश	16:28:10 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सिद्ध
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	16:28:10	501:59:50	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	21:46:05	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	17:22:53	13:36:46	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	सम राशि
मंगल			तुला	25:54:05	00:37:57	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
बुध	व		धनु	04:39:34	00:18:43	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	05:05:59	00:10:59	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	05:48:04	00:53:17	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	सम राशि
शनि	व		मेष	22:21:45	00:01:16	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कुंभ	00:55:33	00:03:36	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	00:55:33	00:03:36	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			कन्या	20:02:28	00:00:41	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	---
नेप			वृश्चि	08:41:48	00:01:46	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
प्लूटो	व		कन्या	06:14:52	00:00:09	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			वृश्चि	23:32:49	--	ज्येष्ठा	--	18	मंगल	बुध	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:27:18

लग्न-चलित

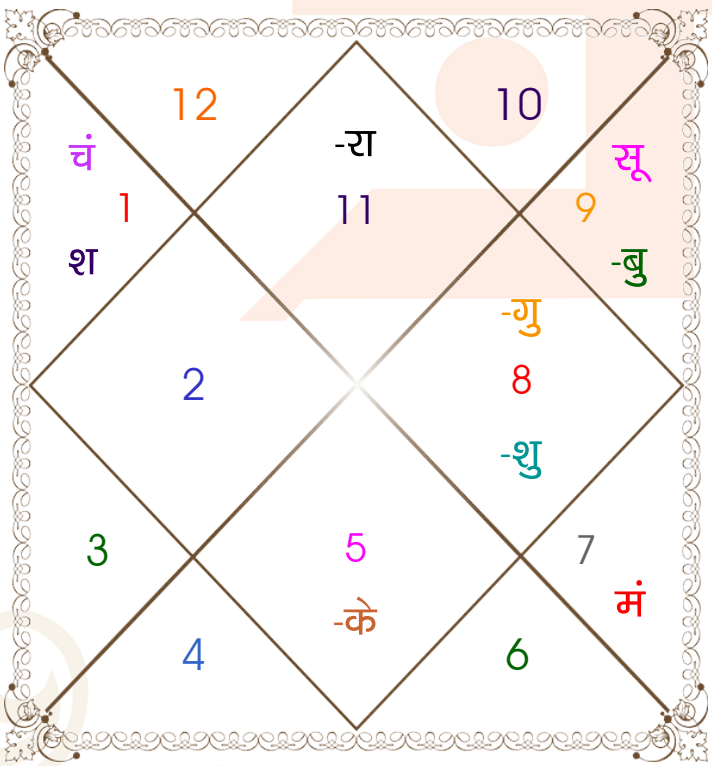

चन्द्र कुंडली

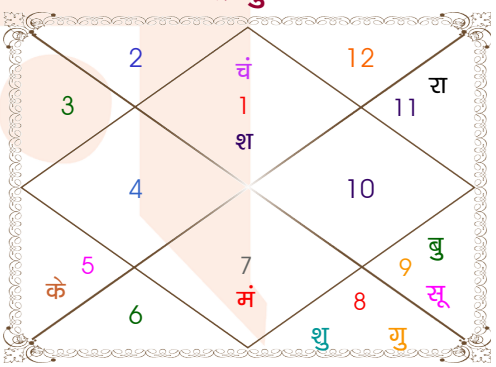

नवमांश कुंडली

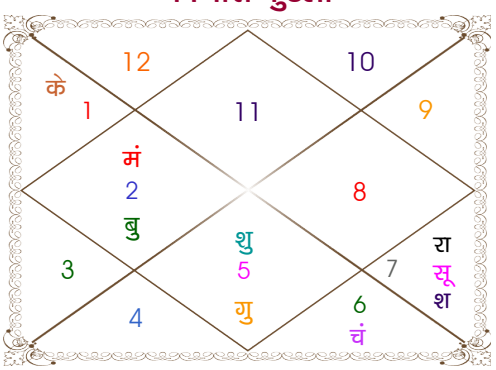

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 13 वर्ष 11 मास 4 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
06/01/1971		10/12/1984		11/12/1990		10/12/2000		11/12/2007	
10/12/1984		11/12/1990		10/12/2000		11/12/2007		10/12/2025	
	00/00/0000	सूर्य	30/03/1985	चंद्र	11/10/1991	मंगल	08/05/2001	राहु	23/08/2010
	00/00/0000	चंद्र	28/09/1985	मंगल	11/05/1992	राहु	27/05/2002	गुरु	16/01/2013
	06/01/1971	मंगल	03/02/1986	राहु	10/11/1993	गुरु	03/05/2003	शनि	23/11/2015
मंगल	10/02/1972	राहु	29/12/1986	गुरु	12/03/1995	शनि	11/06/2004	बुध	11/06/2018
राहु	10/02/1975	गुरु	17/10/1987	शनि	10/10/1996	बुध	08/06/2005	केतु	30/06/2019
गुरु	11/10/1977	शनि	28/09/1988	बुध	12/03/1998	केतु	04/11/2005	शुक्र	29/06/2022
शनि	10/12/1980	बुध	05/08/1989	केतु	11/10/1998	शुक्र	04/01/2007	सूर्य	24/05/2023
बुध	11/10/1983	केतु	10/12/1989	शुक्र	11/06/2000	सूर्य	12/05/2007	चंद्र	22/11/2024
केतु	10/12/1984	शुक्र	11/12/1990	सूर्य	10/12/2000	चंद्र	11/12/2007	मंगल	10/12/2025

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
10/12/2025		10/12/2041		10/12/2060		10/12/2077		10/12/2084	
10/12/2041		10/12/2060		10/12/2077		10/12/2084		00/00/0000	
गुरु	29/01/2028	शनि	13/12/2044	बुध	09/05/2063	केतु	09/05/2078	शुक्र	11/04/2088
शनि	11/08/2030	बुध	23/08/2047	केतु	05/05/2064	शुक्र	09/07/2079	सूर्य	11/04/2089
बुध	16/11/2032	केतु	01/10/2048	शुक्र	06/03/2067	सूर्य	14/11/2079	चंद्र	11/12/2090
केतु	23/10/2033	शुक्र	02/12/2051	सूर्य	10/01/2068	चंद्र	14/06/2080	मंगल	06/01/2091
शुक्र	23/06/2036	सूर्य	13/11/2052	चंद्र	11/06/2069	मंगल	10/11/2080		00/00/0000
सूर्य	11/04/2037	चंद्र	14/06/2054	मंगल	08/06/2070	राहु	28/11/2081		00/00/0000
चंद्र	11/08/2038	मंगल	24/07/2055	राहु	25/12/2072	गुरु	04/11/2082		00/00/0000
मंगल	18/07/2039	राहु	30/05/2058	गुरु	02/04/2075	शनि	14/12/2083		00/00/0000
राहु	10/12/2041	गुरु	10/12/2060	शनि	10/12/2077	बुध	10/12/2084		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 13 वर्ष 11 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म शतभिषा नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न, कुंभ नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से ऐसा स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रस्तुतिकरण सुखद, सुलभ एवं स्वाभाविक रूप से आरामदायक जीवन काल का प्रतिनिधित्व करता है।

मुख्यतः आपकी आयु के 28 वें वर्ष में आप उच्चतम शिखर पर पहुंच कर अपनी शक्ति एवं स्वच्छंदता पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। यदि आप लापरवाही, आलसी एवं धीरे-धीरे चलने की प्रवृति रखें तो कभी-कभी धैर्यपूर्वक अपनी प्रस्तावित समस्या को शीघ्रतापूर्वक संपन्न कर सकेंगे। आप अपने हस्तगत कार्य के प्रति स्वयं प्रोत्साहित हो कर उसे संपन्न कर लिए तो निश्चित रूप से धन संग्रह कर लेंगे।

आप ऐसे प्राणी हैं कि आपको बहुत मात्रा में विस्तार एवं विकसित होने में सफलता मिलेगी। यदि आप अपना जिद्दीपन एवं अड़लियल रूख के प्रति नरमी बरत सके तो आप किसी भी कार्य को खेल-खेल में संपादित कर लेंगे एवं निष्कपट भाव से जन सामान्य के साथ दयालुता युक्त भावनाओं से उदारता बरतेंगे। अन्य व्यक्ति मात्र आपकी त्रुटियों को अप्रिय हाव-भाव से देखेंगे तथा बिना जाने ही आपकी दुर्बलता के विरुद्ध हो जाएंगे। यदि आप मर्यादित ढंग से बात चीत करने लगे तो आप अत्यधिक सुविख्यात हो जाएंगे।

आप उच्च कोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप जीवन दर्शन का अध्ययन कर जीवन के वास्तविक अर्थ से अवगत हो जाएंगे। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल कार्य व्यवसाय ज्योतिषीय कार्य, गणितीय कार्य, खगोल विद्या, सामान्य ज्ञान, गुप्त (विद्या) विज्ञान, एवं हवाई यात्रा संबंधित कार्य उत्तम हैं।

आप एक सुखद भवन के साथ-साथ समझदार एवं व्यवस्थित पत्नी तथा प्रिय संतानों से युक्त होंगे। आप वैवाहिक जीवन का निर्वाह करेंगे। आप सदैव अपने घर परिवार को अपने अधिकृत रखेंगे।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी आयु लंबी है तथा आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु ऐसा आभास हो रहा है कि आप कुछ रोगादि के कुप्रभाव से अधोगति को प्राप्त हो सकते हैं। यथा रक्तचाप, हृदय संबंधी रोग, हृदय स्पंदन आदि रोग कुछ वर्षो के बाद हो सकता है। अतः उत्तम तो यह है कि सच्चे अर्थो में सावधानी बरते।

आप मित्रों के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अपने भवन की प्राचीनता को नवीनीकरण करने हेतु संग्रह करेंगे। आप अत्यंत ही सामाजिक प्राणी हैं तथा समाज को अकेले ही आगे लेकर चलेंगे। आप एक विख्यात एवं आतिथ्य भावनाओं से युक्त प्राणी है।

आप निम्नांकित निर्देशों का पालन एवं अंगीकृत कर जीवन में अत्यधिक उन्नति प्राप्त कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं प्रभावक अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक हैं तथा अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके हित प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल एवं अत्यधिक लाभकारी दिन बुधवार शनिवार एवं शुक्रवार का दिन हैं। शेष रविवार, मंगलवार, एवं सोमवार का दिन आपके लिए बाधित एवं प्रतिकूल दिन हैं।

आपके लिए नीले रंग को छोड़ कर अन्य रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग अति अनुकूल हैं।